

गणतंत्र दविस परेड में उत्तराखंड की झाँकी को मिला प्रथम स्थान

चर्चा में क्यों?

30 जनवरी, 2023 को केंद्र सरकार ने गणतंत्र दविस की परेड (Republic Day Parade 2023) में शामिल राज्यों की झाँकियों के पुरस्कार का ऐलान किया, जिसमें उत्तराखंड की झाँकी मानसखंड को देशभर में प्रथम स्थान मिला।

प्रमुख बिंदु

- गणतंत्र दविस की परेड में करतव्य पथ पर प्रदर्शति की गई सभी झाँकियों में उत्तराखंड की झाँकी को प्रथम पुरस्कार मिला। उत्तराखंड ने राज्य के वन्यजीवों और धार्मिक स्थलों की थीम पर झाँकी प्रदर्शति की थी।
- उत्तराखंड की झाँकी में उत्तराखंड का प्रसिद्ध कॉरबेट नेशनल पार्क, बारहसगि, उत्तराखंड का राज्य पशु कस्तूरी मृग, गोरल, देश के राष्ट्रीय पक्षी मोर, उत्तराखंड के प्रसिद्ध पक्षी घुघुती, तीतर, चकोर, मोनाल के साथ ही उत्तराखंड की प्रसिद्ध ऐपण कला को प्रदर्शति किया गया था।
- झाँकी में प्रसिद्ध पौराणिक जागेश्वर धाम मंदिर को दिखाया गया था। मंदिर के आगे और पीछे घनघोर देवदार के वृक्षों का सीन तैयार किया गया था। झाँकी के आगे और पीछे उत्तराखंड का नाम भी ऐपण कला से लिखा गया था।
- गढ़वाल की चारधाम यात्रा की भाँति सरकार कुमाऊँ में मंदिर माला मशिन के अंतर्गत पर्यटन बढ़ाने का प्रयास कर रही है। इसी के दृष्टिगत प्रसिद्ध पौराणिक जागेश्वर धाम को दिखाया गया था।
- टीम लीडर और संयुक्त नदिशक सूचना के.एस. चौहान के नेतृत्व में झाँकी में उत्तराखंड की कला और संस्कृति को प्रदर्शति करने के लिये छोलिया नृत्य करने में पथौरागढ़ के भीम राम के दल के 16 कलाकारों का उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा। इसी के साथ झाँकी के ऊपर बारु सहि और अनलि सहि ने योग करते हुए महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- गणतंत्र दविस की परेड में 23 झाँकियाँ प्रदर्शति की गईं। इनमें से 17 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों और 6 झाँकियाँ मंत्रालयों और विभागों से थीं।
- वदिति है कसितंबर माह में भारत सरकार की ओर से सभी राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों एवं मंत्रालयों से प्रस्ताव मांगे जाते हैं। अक्टूबर तक राज्य सरकारें विषय का चयन कर प्रस्ताव भारत सरकार को भेजती हैं। उसके बाद भारत सरकार प्रस्तुतीकरण के लिये आमंत्रति करती है।
- पहली बार की मीटिंग में विषय के आधार चार्ट पेपर में डिजाइन तैयार कर प्रस्तुत करना होता है। आवश्यक संशोधन करते हुए तीन बैठकें डिजाइन निर्माण के संदर्भ में होती हैं। जनि प्रदेशों के डिजाइन कमेटी को सही नहीं लगते हैं उनको शार्टलसिट कर देती हैं। उसके बाद झाँकी का मॉडल बनाया जाता है। थीम सांग 50 सेकेंड का होता है, जो उस प्रदेश की संस्कृति को प्रदर्शति करता है, जब सभी स्तर से भारत सरकार की विशेषज्ञ समिति संतुष्ट हो जाती है, तब झाँकी का अंतिम चयन किया जाता है।